- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

02 शराबबंदी सफल नहीं, हमारी सरकार बनी तो इसे लागू करेंगे : जीतन राम मांझी

04 नसबंदी के बारे में करेंगे जागरूक: सीएस डॉ अंजनी कुमार व डीएस डॉ एस एन सिंह

● पटना, रविवार, 03 दिसम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 293

रजिस्टर्ड डाक से पहुंचने लगे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथियों को रजिस्टर्ड डाक से निमंत्रण पत्र प्रेषित करना शुरू कर दिया है। ट्रस्ट की तरफ से भेजे गए कुछ कार्ड के फोटो सोशल मीडिया में वायरल भी हो रहे हैं। निमंत्रण पत्र के लिफाफे पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह लिखा हुआ है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय की तरफ से भेजे गए निमंत्रण पत्र में लिखा गया है कि आपको विदित ही है कि लंबे संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण कार्य प्रगति पर है। पौष, शुक्ल द्वादशी, विक्रम संवत 2080, सोमवार, 22 जनवरी 2024, गर्भगृह में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

मोदी सरकार में पद्म पुरस्कार योग्य व्यक्तियों को देने की शुरुआत हुई: अमित शाह

केन्द्रीय गृहमंत्री जूनागढ़ में दिव्यकांत नाणावटी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित 'स्मृति पर्व' कार्यक्रम में शामिल हुए

बीएनएम@जूनागढ़

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के योग्य व्यक्ति को पद्म पुरस्कार मिले, इसकी पूरी व्यवस्था खड़ी करने का काम किया। जब नरेन्द्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने भीखुदान के योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया।

गुजरात के जूनागढ़ में शनिवार को दिव्यकांत नाणावटी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित 'स्मृति पर्व' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भीखुदान गढ़वी ने गुजरात और सौराष्ट्र की कला को पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम किया है। शाह ने भीखुदान गढवी को काग बापू की पीढ़ी और आज के साहित्यकारों की पीढ़ी के बीच का सेतु बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यकांत नाणावटी उन लोगों में से हैं जो समाज के लिए जीते हैं और दूसरों के लिए कुछ करते हैं।

उन्होंने कहा कि रूपायतन संस्था ने आज एक ऐसी पुस्तक का प्रकाशन किया है जो नई पीढ़ी के नेताओं को निश्चित रूप से मार्गदर्शन देने वाली सिद्ध होगी। रूपायतन संस्था लगभग 75 साल से सामाजिक जीवन के विभिन्न आयामों पर बहुत अच्छा काम कर रही है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अगर कोई 100 सालों के बाद भी याद करता है तो इसका अर्थ है कि उस व्यक्ति का जीवन सार्थक रहा है। दिव्यकांत लगातार दो बार विधायक बने और गुजरात के कानून और न्याय मंत्री भी रहे। उन्होंने ना सिर्फ जूनागढ़ बल्कि गुजरात के सार्वजनिक जीवन में भी अनेक प्रकार के योगदान दिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भक्ति साहित्य की श्रेष्ठतम विभूति नरसिंह मेहता ने अपना पूरा जीवन साहित्य को समर्पित कर दिया और उनके जैसा उत्कृष्ट साहित्यकार मिलना असंभव है। नरसिंह मेहता ने वेदों और उपनिषदों का सारा रहस्य, संक्षिप्त तरीके से और आसान भाषा में लोगों के सामने रखा। उस जमाने में अस्पृश्यता का विरोध करने की हिम्मत सिर्फ नरसिंह मेहता ही कर सकते थे। अगर सामाजिक न्याय के बारे में जानना है तो एक बार नरसिंह मेहता को समझना होगा। उन्होंने कहा कि नरसिंह मेहता की इस पावन भूमि पर रूपायतन संस्था ने इस भूमि के पुत्र दिव्यकांत की स्मृति में पुस्तक प्रकाशित की है, जो निश्चित रूप से जूनागढ़ और गुजरात के सार्वजनिक जीवन में काम करने वाले लोगो के लिए एक प्रेरणा बनेगी।

भगवान राम किसी एक जाति और धर्म के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए हैं: कोविंद

बीएनएम@हमीरपुर

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि देश की आजादी में श्रीराम नाम का बड़ा योगदान रहा है। महात्मा गांधी ने रघुपति राघव राजा राम भजन गाकर देश को आजाद कराया था और जब उन्हें गोली लगी तो अंतिम समय में भी वह हे राम कहते हुए धरती पर गिरे थे। उन्होंने कहा कि भगवान राम किसी एक जाति और धर्म के नहीं है बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए हैं।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के ग्राम निवादा में दिव्य प्रेम सेवा निशन के तत्वाधान में आयोजित रामकथा के शुभारंभ के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके जीवन का सबसे

स्वर्णिम क्षण था जब सुप्रीम कोर्ट से राम मंदिर के पक्ष में फैसला आया था। उन्होंने कहा कि जिसके ऊपर भगवान राम की कृपा होती है वह अपने आप ही मंदिर जाने लगता है। भक्ति में डूब जाता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में भी प्रभु राम का बड़ा योगदान रहा है।

रामकथा पंडाल में हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार में 27 सालों से चल रही है। इसकी शुरुआत एक झोपड़ी से हुई थी, लेकिन अब यह देश की बड़ी संस्थाओं में से एक है, जो मानव कल्याण के बड़े-बड़े कार्य करती है।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद हेलीकाप्टर से शनिवार दोपहर एक बजे निवादा पहुंचे, जहां राज्य के श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. आशीष गौतम, सांसद पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल समेत तमाम नेताओं ने उनका स्वागत किया।

पार्टी छोड़ कर गए लोग झूठा आरोप लगा रहे हैं: शरद पवार

बीएनएम@मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ कर गए, वो अब झूठा और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि इन लोगों के जाने के बाद पार्टी में नए नेतृत्व के लिए अवसर मिला है। सभी लोग सिर्फ जनहित के काम की ओर ध्यान दें, झूठे आरोप लगाने वालों को जनता जवाब देगी।

शरद पवार की अध्यक्षता में शनिवार को राकांपा सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक समाप्त होने के बाद शरद पवार ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने जिन लोगों को बड़ा किया, सभी उन्हें छोड़कर चले गए। जाने के बाद अब वे लोग उन पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। जबकि इन लोगों ने पार्टी के साथ और जनता के साथ भी बेईमानी की है। चुनाव के समय हमने जिनके विरुद्ध वोट मांगा था, यह लोग उन्हीं के साथ मिलकर सरकार में शामिल हुए हैं। यह सब बात जनता समझ रही है। इसलिए इन लोगों के आरोपों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि 1978 में उनके साथ 60 विधायक चुनकर आए थे। इनमें से 54 विधायक उन्हें छोड़कर चले गए सिर्फ छह विधायक उनके साथ थे। इन 54 लोगों में 52 विधायक अगला चुनाव नहीं जीत सके थे। शरद पवार ने कहा कि जो लोग गए, उनकी वजह से पार्टी साफ हो गई है और अब नए लोगों को अवसर मिला है।

देवयंती देवी के निधन पर जदयू ने गहरा दुःख जताया

पटना। पार्टी की संस्थापक सदस्या एवं वर्तमान में राजनीतिक सलाहकार समिति की सदस्या स्व. देवयंती देवी के निधन पर जदयू ने गहरा दुःख जताया है। शनिवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि देवयंती देवी के निधन से पार्टी को अपूर्णीय क्षति हुई है।
संस्थापक सदस्या के तौर पर पार्टी को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका कभी भुलाई नहीं जा सकती है। गरीब, कमजोर और शोषित-वंचित वर्गों के लिए वो सदैव फिक्रमंद रहती थी। उन्होंने कहा कि उनका समूचा जीवन जनकल्याण और पार्टी के लिए समर्पित रहा। उनके दुःखद निधन पर हम गहरी शोक-संवेदना प्रकट करते हैं।

संसद 23 राजनीतिक दलों के 30 नेताओं ने भाग लिया

सरकार ने फ्लोर लीडर्स के साथ शीतकालीन सत्र पर की चर्चा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सभी राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स के साथ सरकार ने बैठक की। बैठक में 23 राजनीतिक दलों के 30 नेताओं ने भाग लिया।

बैठक में केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने आश्वासन दिया कि अनुमति मिलने के बाद सरकार नियम प्रक्रिया के तहत किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने संसद के दोनों सदनों के सुचारू कामकाज के लिए सभी दलों के नेताओं से सक्रिय सहयोग और समर्थन का अनुरोध किया। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में जोशी ने कहा, "हमनें अनुरोध किया कि रचनात्मक बहस के लिए अच्छा माहौल बनाए रखा जाना चाहिए। चर्चा

नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए होनी चाहिए। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है।" संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 4 दिसंबर से शुरू होगा और सत्र शुक्रवार 22 दिसंबर को समाप्त हो सकता है। सत्र की 19 दिनों की अवधि में 15 बैठकें होंगी। इस दौरान 19 विधायी कार्य और दो वित्त जुड़े कार्य सदन के पटल पर रखे जायेंगे।

विभिन्न नेताओं का मत सुनने के बाद राजनाथ सिंह ने बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने के लिए इन नेताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार संसद के संबंधित सदनों के नियमों के अनुसार और संबंधित पीठासीन अधिकारियों की अनुमति से इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है।

आगामी सत्र में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, डाकघर विधेयक, बॉयलर विधेयक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान) दूसरा (संशोधन) विधेयक और केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक सहित जम्मू-कश्मीर से जुड़े विधेयक पेश किये जायेंगे। इसके अलावा राज्यसभा में निरसन और संशोधन विधेयक तथा लोकसभा में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक तथा प्रेस और आवधिक पंजीकरण विधेयक पेश किया जाएगा।

शराबबंदी सफल नहीं, हमारी सरकार बनी तो इसे लागू करेंगे : जीतन राम मांझी

बीएनएम@पटना

पूर्व मुख्यमंत्री और हम पार्टी के संस्थापक जीतनराम मांझी ने शनिवार को बयान जारी कर कहा शराबबंदी कानून सफल नहीं है, हमारी सरकार बनी तो बिहार में फिर से शराब चालू हो जाएगा।

जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश सरकार और मद्य निषेध विभाग के तरफ से यह दावा किया जाता है कि शराबबंदी सफल है इनको नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए लेकिन हकीकत यह है कि शराबबंदी के मामले में जो बंदी है उसमें 80 प्रतिशत दलित लोग हैं जो एक पैग पीकर शाम में घर जाता है। वैसे लोगों को इन्होंने बंद कर रखा है।

मांझी ने कहा कि पांच सौ रुपये कमाने

वाले 2000 और 3000 कहां से देगा इसी वजह से वह जेल चला जाता है। आपका यह शराबबंदी कानून कहीं से सही ही नहीं है यदि मेरी सरकार आएगी तो हम लोग या तो गुजरात के तर्ज पर इस कानून को लागू करेंगे या यूं ही खुला छोड़ देंगे। पहले से तो बिहार में शराब चालू था ही ना।

मांझी ने खुद को लेकर सीएम नीतीश कुमार के तरफ से कही गई बातों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि- यदि उस समय मैं विधानसभा में नहीं रहता तो सीएम के उस बर्ताव को बर्दाश्त नहीं करता। मैं विधानसभा के अंदर था इस वजह से लिहाज कर लिया। नीतीश कुमार की सोच शुरू से दलित के प्रति नकारात्मक रही है। हमें कहां आरक्षण है। इस बात को जानने के लिए आरक्षण आयुक्त का पद था। उसे भी नीतीश कुमार ने गायब कर दिया। यही तो नीतीश कुमार का दलित प्रेम है। मांझी ने कहा कि 2017 में क्लास फोर में शेड्यूल कास्ट से बहाली को बंद कर दिया और अब एजेंट के माध्यम से बहाली करवाते हैं। पहले ऐसी प्रक्रिया नही थी। पहले डायरेक्ट बहाली होती थी कोई आउट सोर्स से नही। शिड्यूल कास्ट को लेकर नीतीश कुमार का रोल शुरुआत से ही नकारात्मक रहा है और ये सिर्फ ढोल पीट रहे कि हम शिड्यूल कास्ट के हिमायती थे।इसके आगे उन्होंने रत्नेश सदा को लेकर कहा कि, बिहार सरकार में क्या होता है कि यह आपने देख लिया। यहां अपने मंत्री का माइक छीन लिया गया, हम रहते तो बर्दाश्त नही करते। ऐसे मंत्री के साथ कोई कैसे कर सकता है। हम तो यही कहना चाहता हूं कि शिड्यूल कास्ट से आने वाले मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

मांझी ने कहा कि हमलोग पांच दिसम्बर को दिल्ली के जंतर मंतर में नीतीश कुमार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे और हवन भी करेंगे। नीतीश कुमार स्वाहा। नीतीश कुमार स्वाहा। नीतीश कुमार स्वाहा करेंगे।

पूर्ण संकल्प के साथ बिहार की गौरवशाली अतीत को पुन: स्थापित करें : विकास वैभव

सहरसा। लेट्स इंस्पायर बिहार ₹युवा जनसंवाद₹ कार्यक्रम शनिवार को गंगजला चौक स्थित देव रिसोर्ट में आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव ने सैकड़ों छात्र युवाओं को शिक्षा समता और उद्यमिता के मुल मंत्र से संवाद किया। कार्यक्रम की शुरुआत उदधाटन दीप प्रज्वलित कर संस्कृत पाठशाला महिषी के निदेशक शत्रुघ्न चौधरी और उनके वैद पाठी छात्रो द्वारा मंगलाचरण वैदिक उच्चारण के साथ किया गया। जन संवाद में बतौर मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव ने कहा कि जिस बिहार की गौरवशाली और समृद्ध अतीत सभी क्षेत्रों में रहा पांचवीं शताब्दी में गुप्त वंश के द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय की नींव रखी गई। जहां विश्व के दर्जनों देशों के छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

सीएम नीतीश के स्वास्थ्य में सुधार

सोमवार को जनता दरबार में होंगे शामिल

बीएनएम@पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त सूचनानुसार आगामी चार दिसम्बर सोमवार को सीएम जनता दरबार में उपस्थित रहेंगे। इसको लेकर कैबिनेट विभाग ने अधिसूचना जारी की है।

कैबिनेट विभाग के अपर सचिव निशीथ वर्मा ने जनता दरबार कार्यक्रम को लेकर पत्र भेजकर सभी जिलाधिकारियों को जानकारी दी है। इसके साथ ही इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी है। अधिसूचना और डीएम को भेजे गये पत्र के मुताबिक चार दिसम्बर को जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दिन महीने के पहले सोमवार के लिए निर्धारित विभागों और विषयों से संबंधित मामले लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री निर्धारित समय पर इन विभागों से जुड़ी आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

इससे पहले सीएम नीतीश कुमार राजगीर महोत्सव के समय बीमार हो गए थे। उसके बाद यह आयोजन स्थगित था। स्वस्थ होकर नीतीश कुमार फिर से जनता दरबार में शामिल होकर लोगों की फेस टू फेस समस्या सुनते हैं और अधिकारियों को तत्काल निर्देश देकर समाधान करवाते हैं। ऐसे में अब सोमवार को एक बार फिर सीएम लोगों की समस्या को सुनते हुए नजर आएंगे।

उल्लेखनीय है कि सीएम नीतीश के जनता दरबार में शामिल होने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है। इसमें समस्याओं का विवरण देना पड़ता है। फरियादी को ऑनलाइन ही मिलने का समय मिल जाता है। राज्य भर से फरियादी जनता दरबार में पहुंचते हैं।

आरक्षण पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार

पटना। बिहार सरकार को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने 75 फीसदी आरक्षण पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने बिहार सरकार से आरक्षण में हालिया बढ़ोतरी को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। राज्य सरकार से 12 जनवरी तक जवाब मांगा है।

राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व प्रदेश के महाधिवक्ता पी के शाही कर रहे हैं। इस मामले में शाही की सहायता कर रहे वकील विकास कुमार ने बताया कि अदालत द्वारा इस संबंध में दायर की सभी जनहित याचिकाओं की सुनवाई अब एक साथ की जाएगी और सरकार से 12 जनवरी जवाबी हालफनामा दाखिल करने को कहा गया है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि पिछले महीने बिहार विधानसभा द्वारा पारित कानून में, आर्थिक रूप से कमजोर

वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण के अलावा, सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है, जो ₹असंवैधानिक₹ है। याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क भी दिया है कि प्रसिद्ध इंद्रा साहनी मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले ने ₹कुल आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत तक सीमित कर दिया था जिसे केवल अत्यंत असाधारण मामलों में बदला जा सकता था।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि लेकिन राज्य की नीतीश कुमार सरकार ने हाल के जातिगत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए ₹सिर्फ पिछड़े वर्ग की आबादी में वृद्धि के आधार पर₹ यह कदम उठाया है, जिसमें ओबीसी और ईबीसी की संयुक्त आबादी 63.13 प्रतिशत बताई गई है। याचिकाकर्ताओं का यह भी तर्क है कि सर्वेक्षण के आंकड़े ₹राजनीति से प्रेरित लग रहे हैं क्योंकि आंकड़े गलत होने की अफवाहें हैं।'''' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के नेताओं ने आरोप लगाया था कि सर्वेक्षण में राज्य के सत्तारूढ़ ₹महागठबंधन₹ का नेतृत्व करने वाले राजद की तुष्टि के अनुरूप यादवों और मुसलमानों की संख्या को ₹बढ़ाकर₹ दर्शाया गया है जो अन्य पिछले वर्ग के लिए नुकसानदेह है। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के पुत्र एवं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इन आरोपों का खंडन किया है।

विरोध | जदयू विधायक के खिलाफ लामबंदी तेज

सड़क पर उतरे चिकित्सक, दर्ज कराई प्राथमिकी

बेगूसराय। मटिहानी के जदयू विधायक राजकुमार सिंह एवं बेगूसराय सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. चंदन कुमार के बीच हुए तीखे बहस के मामले ने तूल पकड़ लिया है। शनिवार को चिकित्सकों ने आक्रोश मार्च निकाला तथा विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए नगर थाना में आवेदन दिया है। नगर थाना में आवेदन देने के बाद पैदल मार्च करते हुए सभी चिकित्सक एवं कर्मी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, जहां एसपी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। डीएम को भी आवेदन दिया गया है।

बिहार राज्य चिकित्सा सेवा संघ (भासा), आईएमए एवं आईडीए के बैनर तले निकाले गए आक्रोश मार्च में सदर अस्पताल के अलावा अन्य प्रमुख चिकित्सक भी शामिल हुए। सबों ने इस घटनाक्रम की तीखी निंदा करते हुए प्रशासन से पीड़ित डॉ. चंदन कुमार को न्याय देने की मांग की है। उचित कार्रवाई नहीं होने पर सिर्फ बेगूसराय ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के चिकित्सकों द्वारा ओपीडी एवं इमरजेंसी सेवा ठप करने का ऐलान किया गया है। भाषा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रामरेखा सिंह ने कहा है कि यह बहुत ही अप्रिय घटना है।

उन्होंने कहा कि आज हम चिकित्सक एवं चिकित्साकर्मियों ने आक्रोश मार्च निकाला है। प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ उच्च अधिकारी से मिल रहे हैं। बैठक कर आगे का कार्यक्रम तय करेंगे। कार्रवाई नहीं हुई तो ओपीडी और इमरजेंसी सेवा ठप की जाएगी। पहले बेगूसराय सदर अस्पताल में सेवा ठप होगा। उसके बाद जरूरत हुई तो पूरे बिहार के चिकित्सक हड़ताल कर देंगे।

आईएमए के अध्यक्ष डॉ. ए.के. राय एवं सचिव डॉ. रंजन कुमार चौधरी ने कहा कि 29 नवम्बर की देर शाम बेगूसराय सदर अस्पताल में हुई घटना पूरी तरह से अप्रिय और अस्वीकार घटना है। जदयू विधायक द्वारा ऑन ड्यूटी डॉ. चंदन के साथ हुई यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिए सही नहीं है। आज हम सभी चिकित्सकों ने आक्रोश मार्च निकाला।

नगर थाना में प्राथमिक की दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है। एसपी एवं डीएम को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की गई है। समाज के हर वर्ग को दूसरे वर्ग का सम्मान करना चाहिए। इस तरह का अपमानजनक व्यवहार नहीं करना चाहिए। ऑन ड्यूटी चिकित्सा के साथ दुर्व्यवहार, सरकारी कामकाज में बाधा एवं इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनाती के बाद भी इंडोर में देर तक बैठाए रहने की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। विधायक राजकुमार सिंह बहुत तैश में थे, उन्होंने बैठने के लिए धमकाया।

केसरिया के विकास को लेकर चलाया जाएगा मुहिम

बीएनएम@केसरिया। आर्य समाज मंदिर परिसर में शनिवार को महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के समाजसेवी व प्रबुद्धजन भी शामिल हुए। अध्यक्षता करते हुए संस्थान के अध्यक्ष सीताराम यादव ने कहा कि केसरिया की ऐतिहासिक धरोहर व क्षेत्र के विकास को लेकर एक मुहिम चलाने की आवश्यकता आ गई है। इस मुहिम में क्षेत्रवासियों का सहयोग जरूरी है। वहीं पूर्व नपं उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने कहा कि केसरिया उपेक्षा का शिकार हो गई है। यहाँ अवस्थित ऐतिहासिक धरोहरों को भी विकास की जरूरत है। इसके विकास में हीं क्षेत्र का विकास निहित है। बैठक को अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान अगले वर्ष स्थानीय लोगों के सहयोग से एक स्थानीय स्तर पर महोत्सव कराने पर विचार किया गया।

एस.एस.बी.जवानों ने निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

मोतिहारी। जिले के पीपरा कोठी स्थित एस.एस.बी. कैंप के 71 वीं बटालियन ने शनिवार को कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली।रैली एस.एस.बी. कैंप से प्रखंड कार्यालय होते हुए पीपराकोठी बाजार तक निकाली गई और स्थानीय ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। रैली के निकालने के पूर्व वाहिनीं कमांडेंट ने जवानों को स्वछता से होने वाले फायदों के बारे में बताया और अपने आस-पास के इलाकों को साफ़-सफाई रखने व स्थानीय ग्रामीणों को इस कार्य के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के दौरान वाहिनीं कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार, उप-कमांडेंट दिनेश कुमार ममोत्रा, विश्वजीत तिवारी, वाहिनीं चिकित्सक डॉ. राहुल राय, निरीक्षक रतनसी अहीर, विनित कुमार, हरदेव सिंह, संदीप कुमार, संयम कुमार सहित अन्य अधिकारी व जवान मौजूद थे।

महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में विधिक सेवा कैंप का हुआ आयोजन

मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के तत्वाधान में जिला प्रशासन, मोतिहारी के सहयोग से सरकार द्वारा संचालित सामाजिक, कल्याणकारी एवं लाभकारी विभिन्न योजनाओं की सुगम जानकारी, जागरूकता एवं लाभ प्रदान करने हेतु महात्मा गांधी प्रेक्षागृह, मोतिहारी में विधिक सेवा कैंप का आयोजन किया गया। माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश ,मोतिहारी, जिलाधिकारी, मोतीहारी, पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के द्वारा विधिक सेवा कैंप का उद्घाटन संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनसे संबंधित समस्याओं का त्वरित निष्पादन हेतु विधिक सेवा कैंप में विभिन्न विभागों यथा स्वास्थ्य, समाज कल्याण, श्रम

संसाधन, आदि स्टॉल का निरीक्षण किया गया।

नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015, जिसके अंतर्गत 6 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा योजना, बाल विवाह निषेध योजना, बाल श्रम उन्मूलन योजना, गरीबी उन्मूलन योजनाओं को प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एवं अन्य योजना सम्मिलित है। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार उभयलिंगी व्यक्तियों का एकीकरण, पुनर्वास एवं न्याय तक पहुंच योजना 2023 (सितारा) सम्मिलित है। इस विधिक सेवा कैंप में विभिन्न विभागों द्वारा निम्न लाभ प्रदान किए गए:-

26 लाभुकों को आयुष्मान कार्ड , 26 लाभुकों को ई-श्रम कार्ड, 04 लाभुकों को आधार कार्ड रेड क्रॉस द्वारा 75 लाभुकों को एचआईवी की जांच, 120 की बीपी जांच, 72 लाभुकों को आरबीएस की जांच, सदर अस्पताल स्वस्थ शिविर में 28 लाभुकों को मेडिकल सुविधा, 56 लाभुकों को एचआईवी जांच की गई।

पीएम आवास योजना कार्य प्रगति को लेकर हुई बैठक

बीएनएम@मोतिहारी

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण)/ लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान एवं पीएम आवास योजना कार्य प्रगति की जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

पीएम आवास योजना की समीक्षा के क्रम में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि 2009 अपूर्ण आवास का स्थल निरीक्षण करते हुए शीघ्रता शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत 330 लक्ष्य के विरुद्ध 62 पूर्ण, 268 अपूर्ण आवास को शीघ्र पूर्ण करने का उन्होंने निर्देश दिया। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि छुटे हुए परिवार जिन्होंने अभी तक शौचालय निर्माण नहीं किया है वे अपना नाम ग्राम सभा के माध्यम से प्रखंड में जुड़वा लें, ताकि 31 दिसंबर 2023 तक शौचालय निर्माण कराकर 12000 रुपए की प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जा सके।

महादलित/ दलित टोलों में 300000 प्राकलित राशि से सामुदायिक शौचालय निर्माण हेतु प्रखंड के वैसे पंचायत जहां शौचालय का अभाव है, निर्माण हेतु प्रस्ताव शीघ्र भेजना सुनिश्चित करें।

106 पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन इकाई के निर्माण आरंभ करने का निर्देश दिया गया। घर-घर से कचरा उठाव एवं उपयोगिता शुल्क 30 प्रतिमाह प्राप्त करने हेतु ग्राम पंचायत को निर्देश दिया गया।

सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि मानव मलीय कीचड़ प्रबंधन हेतु भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव शीघ्र भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं यथा हर घर नल का जल ,पक्की नली गली, स्ट्रीट लाइट आदि का रखरखाव सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रखंड कार्यालय का साफ-सफाई, कार्यशैली दुरुस्त रखें। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, जिला समन्वयक एलएसबीए, प्रखंड समन्वयक एलएसबीए, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

मुंशी सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई गई

बीएनएम@मोतिहारी

शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में महाविद्यालय के संस्थापक दानवीर मुंशी सिंह की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो.(डॉ.)अरुण कुमार ने संस्थापक मुंशी सिंह,संस्थापक प्राचार्य केशव प्रसाद सिंह,संस्थापक सचिव रामलषन मिश्र और प्रतापी प्राचार्य भोलानाथ सिंह की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया।

इसके पश्चात 'मुंशी सिंह का शिक्षा जगत में अवदान' विषय पर स्मार्ट क्लास में परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्वान वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.)मृगेंद्र कुमार ने कहा कि मुंशी बाबा ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी कार्य कर पूरे चंपारण की राह दिखलाई। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) एकबाल हुसैन ने कहा कि मुंशी सिंह ने

महाविद्यालय निर्माण के लिए आगे बढ़कर दिल खोल कर दान दिया जिसकी वजह से ब्रिटिश काल में इतने अच्छे महाविद्यालय की स्थापना संभव हो सकी।हम सब ही नहीं चंपारण का संपूर्ण शिक्षा जगत उनका ऋणी रहेगा।उन्होंने कहा कि मुंशी सिंह जी के नाम पर प्रतिवर्ष उनकी जन्मतिथि पर 'मुंशी सिंह स्मृति व्याख्यानमाला' का आयोजन किया जाना चाहिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो.(डॉ .)अरुण कुमार ने कहा कि बाबू मुंशी सिंह चंपारण के धराधाम पर उच्च शिक्षा की गंगा को उतार लाने वाले भगीरथ के समान थे।इस महाविद्यालय से उत्तीर्ण अनेक छात्रों ने राष्ट्र की प्रगति की धारा को आगे बढ़ाने का महान कार्य किया है।दानवीर मुंशी सिंह के भाइयों सरयू सिंह और दुन्दबहादुर सिंह ने भी महाविद्यालय के विकास में सहयोग किया।ब्रिटिशकाल में महाविद्यालय की स्थापना एक अनोखा शैक्षिक कार्य था।इस अवसर पर जन्म जयंती को अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो.अमरजीत कुमार चौबे, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ.सलाउद्दीन, डॉ.मनीष कुमार झा और अर्थपाल सुधीर कुमार राव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर गणित विभागाध्यक्ष प्रो.एम.एन. हक़, डा.नीतेश कुमार, डा.रंजन कुमार, डॉ.शफीकुर्रहमान, दिलीप सिंह, हर्षवर्धन, सुनील महाराज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन प्रो.ए.के.चौबे ने किया।

ऐतिहासिक सुगौली संधि की 208वीं वर्षगांठ पर बेतिया में कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@बेतिया

सत्याग्रह भवन में, ऐतिहासिक सुगौली संधि की 208 वी वर्षगांठ पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 1814 से 1815 तक लगभग 2 वर्षों तक भारत नेपाल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों एवं नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

इस अवसर पर डॉ0 एजाज अहमद (अधिवक्ता) डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ शाहनवाज अली, शाहीन सबा वरिष्ठ पत्रकार सह निर्देशिका मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट,डॉ अमित कुमार लोहिया,सामाजिक कार्यकर्ता नवीदूं चतुर्वेदी ,पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन डॉ महबूब उर रहमान ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज ही के दिन आज से 208 वर्ष पूर्व भारत नेपाल के बीच 2 वर्षों के संघर्ष के बाद चंपारण के सुगौली में ऐतिहासिक सुगौली संधि पर नेपाल की ओर से राजगुरु, गजराज मिश्र एवं भारत की ओर से लेफ्टिनेंट कर्नल पैरिस ब्रेडश ने इतिहास सुगौली संधि पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

सुगौली संधि ने हजारों सालों से भारत एवं नेपाल के बीच चले आ रहे संबंधों को और भी मजबूती प्रदान की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भारत नेपाल संबंधों को और भी मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता है ताकि दोनों देशों के बीच सामाजिक कुरीतियों बाल विवाह, सीमा पार मानव व्यापार ,मादक द्रव्यों की तस्करी ,भूख ,गरीबी, कुपोषण ,अशिक्षा बीमारी से समाज को मुक्त किया जाए ताकि दक्षिण एशिया में सुख शांति समृद्धि एवं विकास आ सके एवं दक्षिण एशिया के यह देश विकसित राष्ट्र बन सके।

नसबंदी के बारे में करेंगे जागरूक: सीएस

04 से 16 दिसम्बर तक चलेगा पुरुष नसबंदी पखवाड़ा

मोतिहारी। जिले में बढ़ती जनसंख्या की रोकथाम को लेकर पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत सदर अस्पताल कैंपस से एएनएम व अन्य स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। मौके पर सिविल सर्जन डॉ अंजनी कुमार व डीएस डॉ एस एन सिंह ने कहा कि जिले में 27 नवंबर से 3 दिसम्बर तक दम्पति संपर्क सप्ताह व 04 से 16 दिसम्बर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि

इस बार पखवाड़े की थीम "स्वस्थ मां, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा" रखी गई है। सीएस ने कहा कि परिवार नियोजन में सिर्फ महिलाओं की भागीदारी ही नहीं बल्कि पुरुषों की भी भागीदारी होनी चाहिए। इसके लिए पुरुषों को भी बेझिझक आगे आना चाहिए।

जिले के आशा समन्वयक नंदन झा ने बताया कि महिला बंध्याकरण से सरल पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। उन्होंने बताया कि छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। बताया कि नसबन्दी से पुरुषों की पौरुषता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। वहीं उन्होंने बताया कि नसबंदी कराने पर तीन हजार रुपये प्रोत्साहन राशि भी सरकार द्वारा दी जाती है। उन्होंने बताया कि नवंबर माह में सुगौली प्रखंड में दो व्यक्ति की नसबन्दी की गई है।

सारथी रथ से होगा प्रचार- प्रसार

डीसीएम ने बताया कि जिले के सभी 27 प्रखंडों में परिवार नियोजन के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए सारथी रथ द्वारा रूट प्लान के अनुरूप माइकिंग करते हुए प्रचार-प्रसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी प्रखण्ड में पुरुष नसबंदी पखवाड़ा, दम्पति संपर्क सप्ताह, परिवार नियोजन मेला का आयोजन किया जाएगा। वहीं जागरूकता फैलाने हेतु आशा, आंगनबाड़ी सेविकाओं, जीविका दीदीयों व जनप्रतिनिधियों, मिडिया को भी भागीदार बनाया जाएगा।

डीसीएम ने बताया कि सरकारी अस्पताल में निः शुल्क सुरक्षित प्रसव कराया जाता है। साथ ही आर्थिक सहायता भी दी जाती है। जिसका लाभ सभी को उठाना चाहिए। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है। मौके पर डीएस डॉ एस एन सिंह, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, अनुश्रवण पदाधिकारी अमानुल्लाह, अस्पताल प्रबंधक कौशल दुबे, पी एस आई के जिला समन्वयक अमित कुमार व अन्य लोग उपस्थित थे।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा 4 दिसम्बर से होगी आरंभ

मोतिहारी। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार शहर के एलएनडी कॉलेज, एमएस कॉलेज, एसएनएस कॉलेज, डॉ.एसकेएस महिला कॉलेज, पीयूपी कॉलेज में चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2023-27 के प्रथम सेमेस्टर के प्रायोगिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। एलएनडी कॉलेज प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार,एसएनएस कॉलेज प्राचार्य प्रो. प्रदीप कुमार, एमएस कॉलेज प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार, डॉ.एसकेएस महिला कॉलेज प्राचार्या डॉ. किरण कुमारी ने बताया कि भूगोल, मनोविज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं जंतु विज्ञान मेजर कोर्स व माईनर कोर्स की प्रायोगिक परीक्षाएं 4 दिसंबर सोमवार से ली जाएगी। प्रायोगिक विषयों से संबंधित सभी परिक्षार्थी विस्तृत सूचना के लिए संबंधित विभागाध्यक्ष से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। प्रायोगिक परीक्षा में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों का परीक्षाफल लंबित हो सकता है।

एलएनडी कॉलेज का प्रो. केसरी ने किया निरीक्षण

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में शनिवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के आदेश पर महारानी जानकी कुंवर कॉलेज, बेतिया प्राचार्य प्रो.सुरेंद्र कुमार केसरी द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने एकेडमिक ब्लॉक, बीएड ब्लॉक, निर्माणाधीन पीजी ब्लॉक, कार्यालय कक्ष, शिक्षक कक्ष, सभी वर्ग कक्ष, सभी प्रयोगशाला, पुस्तकालय, लैंग्वेज लैब, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, सभागार, जिम, क्रीड़ा मैदान इत्यादि का सूक्ष्मता पूर्वक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां एकेडमिक बिल्डिंग में चल रही कक्षाओं एवं एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग में चल रही परीक्षाओं का भी मुआयना किया। निरीक्षी पदाधिकारी प्रो.सुरेंद्र कुमार केसरी ने न्यूनतम संसाधन में भी समय सारणी के अनुकूल विद्यार्थियों के कक्षा संचालन पर हर्ष अभिव्यक्त किया। उन्होंने यहां के सभी शिक्षकों को अपने काम के प्रति संजीदा देखकर प्राचार्य की प्रशासनिक सफलता बताया। उन्होंने भावी नैक मूल्यांकन के द्वितीय चक्र के लिए सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों को जी जान से जुड़ जाने की

सलाह दी। प्रो. केसरी ने यहां पदस्थापित सभी नियमित शिक्षकों, अंशकालीन अतिथि शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों की भौतिक उपस्थिति का अनुश्रवण करते हुए सभी का परिचय प्राप्त किया। उन्होंने यहां प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार के साथ भौतिकी, रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, मनोविज्ञान एवं भूगोल की कार्यशील प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया। उन्होंने पुस्तकालय की भंडार पंजी एवं वितरण पंजी का भी अवलोकन करते हुए इसे अधिकतम विद्यार्थियों तक एक्सेस करने का सुझाव दिया। उन्होंने यहां लेखा शाखा के सभी शीर्षों व उपशीर्षों में रोकड़ पंजी के अद्यतन होने पर इसकी निरंतरता कायम रखने का निर्देश दिया। इस महाविद्यालय में गणित, मनोविज्ञान एवं अंग्रेजी में शिक्षकों की यथाशीघ्र पदस्थापना के लिए विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारियों को अनुशंसा प्रेषित करने की बात कही। निरीक्षण के मौके पर प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार, डॉ.सुबोध कुमार, प्रो.राजेश कुमार सिन्हा, प्रो.दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. पिनाकी लाहा, प्रो.राकेश रंजन कुमार, प्रो.अरविंद कुमार, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ.संतोष विश्नोई, डॉ. रवि रंजन सिंह, डॉ.नीरज कुमार, डॉ. स्वर्णा रानी, प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, आशुतोष सहित अन्य उपस्थित रहे।

इंडो-नेपाल रोड एवं हाजीपुर-सुगौली रेलवे लाइन हेतु भू अर्जन शीघ्र पूरा करने का निर्देश

मोतिहारी। डॉ राधाकृष्णन सभागार, मोतिहारी में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

समीक्षा के क्रम में उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग के पदाधिकारी गण अपने कार्यों का निष्पादन ससमय सुनिश्चित करेंगे।

राजस्व, स्थापना, विधि, कल्याण, भू अर्जन, पंचायती राज, ग्रामीण विकास अभिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आईसीडीएस, सहकारिता, सांख्यिकी, निर्वाचन, बैंकिंग, श्रम, दिव्यांगजन, समाज कल्याण आदि विभागों से समीक्षा के क्रम में संबंधित पदाधिकारी को उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सभी अंचलाधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल, शमशान घाट, सीडीपीओ कार्यालय, डंपिंग यार्ड, उद्योग विभाग आदि हेतु भूमि चिन्हित कर शीघ्रता शीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि उपसमाहर्ता, अंचलाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि 98 पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु भूमि चिन्हित कर सीमांकन करना सुनिश्चित करें। इंडो-नेपाल रोड एवं हाजीपुर-सुगौली रेलवे लाइन हेतु भू अर्जन कार्य शीघ्र करने का निर्देश दिया गया। सभी अंचलाधिकारी अवैध जमाबंदी का प्रस्ताव शीघ्र भेजना सुनिश्चित करेंगे।

अपर समाहर्ता ने बताया कि भूमिहीनों के लिए अभियान बसेरा के तहत 1382 आवेदन प्राप्त हैं, जिसमें से 455 बंदोबस्ती हेतु प्रस्ताव तैयार है। आरटीपीएस में प्राप्त आवेदन यथा राशन कार्ड, जाति, आवासीय, जन्म/ मृत्यु प्रमाण पत्र लंबित आवेदनों का निष्पादन शीघ्र सुनिश्चित करें।

स्पा सेंटर पर की छापेमारी, 3 युवतियां मुक्त करवाई और सात गिरफ्तार

बीएनएम@रक्सौल

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया एसएसबी कार्यालय 47वीं वाहिनी एसएसबी रक्सौल (बिहार), लखनऊ पुलिस और मिशन मुक्ति फाउंडेशन, एनजीओ ?हमस? द्वारा विभूतिखंड गोमतीनगर लखनऊ में एक ज्वाइंट रेस्क्यू ऑप्रेशन चलाया गया जिसमें एक स्पा सेंटर पर छापा मारा गया। जिसमे 03 लड़कियों को मुक्त कराया गया व स्पा सेंटर के मालिक और अन्य 06 लोगो गिरफ्तार किया गया।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया एसएसबी कार्यालय 47वीं वाहिनी एसएसबी रक्सौल (बिहार) के इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा को दो माह पहले

उन्हें जानकारी मिली थी कि नेपाल और नॉर्थ ईस्ट की कुछ युवतियों को नौकरी के नाम पर अलग-अलग शहरों में ले जाकर जबरन देह व्यापार करवाया जा रहा है। लौट कर नेपाल पहुंची एक युवती से मिली जानकारी मिलने पर इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा लखनऊ पहुंचे उन्होंने वहाँ चिनहट और विभूतिखंड लखनऊ में कुछ दिनों तक जांच पड़ताल की।

इस दौरान उन्हें पता चला कि विभूतिखंड स्थित मंत्री आवास के पास चल रहे एक स्पा सेंटर में जबरन युवतियों से देह व्यापार करवाया जा रहा है।

फिर इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा मिशन मुक्ति फाउंडेशन के डाइरेक्टर वीरेंद्र कुमार सिंह व एनजीओ ?हमस?की डा. संगीता शर्मा ने योजनागत कार्य किया।

ये जानकारी डा. सुचिता चतुर्वेदी यूपी राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग लखनऊ 1090 की पुलिस अधीक्षक सुचित्रा चौधरी आईपीएस से साझा की गयी उन्होंने मामले की गंभीरता समझते हुए लखनऊ पुलिस के एसीपी अभिनव व उनके दल को त्वरित कार्यवाही व सहयोग करने के आदेश दिये। छापे के बाद जानकारी हुई कि स्पा सेंटर, जबरन देह व्यापार के धंधे में धकेलने का कार्य किया जा रहा था लकड़ियों को फोन कर के या एजेंटो के द्वारा कहा जाता था कि बहुत अच्छी जॉब मिलेगी तो गरीब लड़कियां फंस जाती थी फिर उन्हें धीरे धीरे स्पा सेंटर में देह व्यापार के कार्यों में लगा दिया जाता था। टीम ने अपने एक साथी को वहां ग्राहक बनाकर भेजा, जिसने मालिक से बात कर विडियो रेकॉर्डिंग कर ली। इसके बाद देह व्यापार की पुष्टि पर टीम ने छापा मारा और युवतियों को मुक्त करवाया गया

लड़कियों ने स्पा सेंटर के मालिक पर जबरन देह व्यापार करवाए जाने का आरोप लगाया है। अभी युवतियों की काउंसलिंग चल रही है। हिरासत में लिए गए मालिक, उसके मैनेजर और अन्य युवकों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि पूछताछ में जो तथ्य निकलकर सामने आएंगे उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

Editorial

Sunday 03 December 2023

प्रभात की पहली किरण सरीखे प्रभाष जी

प्रभाष जोशी जी आज होते तो 85 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे होते। 11 बरस हो गए, आज ही के दिन काल के क्रूर हाथों ने विरल-सरल सहज-स्वभाव के प्रभाष जी को हम सबसे छीन लिया। प्रभाष जी हिंदी के ऐसे श्रेष्ठ पत्रकार थे, जिनका नाम भारतीय भाषा के देश के श्रेष्ठ 10 पत्रकारों में गिना जाता है। बात याद आती है, वर्ष 2007 में उनके रायबरेली आगमन की। हम सबने आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युग प्रेरक सम्मान उन्हें समर्पित करने का संकल्प लिया। इस संकल्प को "सिद्ध" प्रभाष जी ने रायबरेली पधार कर किया था। लखनऊ एयरपोर्ट पर हम लोग उन्हें लेने गए। "मालवा के मान" माने जाने वाले प्रभाष जी इनसाइक्लोपीडिया तो थे ही। चलती-फिरती पाठशाला भी थे। आमतौर पर हम कार्यों की व्यस्तता के चलते आचार्य द्विवेदी स्मृति दिवस में पधारने वाले अतिथियों को रिसीव करने लखनऊ नहीं जा पाते लेकिन प्रभाष जी के नाम और काम के प्रभाव में उस दिन हम ही उन्हें रिसीव करने एयरपोर्ट गए। एयरपोर्ट पर बाहर निकलते ही उनका आशीर्वाद ग्रहण किया और रायबरेली की यात्रा प्रारंभ हो गई। प्रभाष जी के साथ वह यात्रा हमारे ज्ञान का वर्धन और नाम की नई व्याख्या करने वाली साबित हुई। प्रभाष जी ने सामान्य बातचीत में इतिहास के उस पक्ष को बताना शुरु किया, जिसे हम अपनी अल्पबुद्धि से कभी महसूस नहीं कर सकते थे। अवध के इस अंचल में अधिकांश गांवों के नाम के आगे "गंज" या "खेड़ा" लगा होता है। बातों-बातों में ही प्रभाष जी ने साफ किया कि गंज मुसलमान शासकों के बसाए हुए हैं और खेड़ा मराठा शासकों के राज्य विस्तार के प्रतीक हैं। इतिहास, साहित्य और पत्रकारिता की बातें करते-करते वह हमारे नाम पर आए। बहुत ही सहज तरीके से उन्होंने कहा कि अगर मालवा में होते तो आपके नाम का उच्चारण गौरव नहीं "गऊ-रव" होता। अपने नाम की नई व्याख्या सुनकर मन प्रफुल्लित हुआ। अभी तक तो गौरव नाम की व्याख्या गर्व से ही सुनता-पढ़ता आया था। कई विशिष्ट जनों की मंगलकामनाएं भी इस नाम के अनुरूप प्राप्त होती रही हैं।

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरुक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है। भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरुक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरुक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरुकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरुआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरुकता के जरिये इस बीमारी को शुरुआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरु कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

प्रदूषण से कैंसर के बढ़ते खतरों को रोकने की चुनौती

डॉ. रमेश ठाकुर

आमजन में अक्सर यह धारणा रही है कि कैंसर मुख्यतः तंबाकू, खैनी-गुटखा या शराब के सेवन से ही होता है। पर, कैंसर अब इन वजहों तक सीमित नहीं रहा। इस खतरनाक बीमारी ने बड़ा विस्तार ले लिया है। अब प्रदूषण के चलते भी कैंसर काफी संख्या में होने लगा है। वायु प्रदूषण से सिर्फ अस्थमा, हृदय संबंधी रोग, स्किन एलर्जी या आंखों की बीमारियां ही नहीं होती, बल्कि जानलेवा कैंसर भी होने लगा है। इसलिए जरुरी है कि वायु प्रदूषण से फैलने वाले कैंसर के प्रति ज्यादा से ज्यादा देशवासियों को जागरुक किया जाए। इस काम में सरकारों के साथ-साथ आमजन को भी भागीदारी निभानी होगी। धुंध, प्रदूषित काले बादल व प्रदूषण की मोटी चादर इस वक्त कई शहरों में है जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र अव्वल है। दिल्ली के अलावा देश के बाकी महानगरों का भी हाल ज्यादा अच्छा नहीं है, वहां भी लोगों को सांस लेना दूभर हो रहा है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। बहरहाल, कैंसर नए-नए रूप में उभर रहा है जिसमें दूषित वायु प्रदूषण अहम भूमिका में है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो विषाक्त और दमघोंटू प्रदूषण कई तरीके से कैंसर को जन्म दे रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि प्रदूषण शरीर में सबसे पहले अंदरुनी कोशिकाओं यानी डीएनए पर प्रहार कर उन्हें डैमेज करता है जो आगे चलकर कैंसर का प्रमुख कारण बनता है। इसके अलावा प्रदूषण से शरीर में इंफ्लेमेशन भी बढ़ता है और इम्यून सिस्टम को भी बिगाड़ता है। प्रदूषण को लेकर जो स्थिति इस वक्त पूरे देश में बनी है, हल्के-फुल्के मरीजों के लिए ये वक्त बहुत ही खतरनाक है। ऐसे मरीजों का वायु प्रदूषण के संपर्क में आने का मतलब है कैंसर, स्ट्रोक, श्वसन, हृदय संबंधी रोग और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं को दावत देना। डब्ल्यूएचओ की पिछले साल की एक रिपोर्ट इसी माह नवंबर में आई थी जिसमें बताया गया था कि वायु प्रदूषण से पूरे संसार में प्रतिवर्ष लगभग सात मिलियन मौतें होती हैं जिसमें भारत को दूसरे स्थान पर रखा था। स्थिति इस वर्ष भी भयंकर है। भारत में पिछले तीन वर्षों में कैंसर से अपनी जान गंवाने वालों की संख्याओं पर नजर डालें तो, सन 2020 में 7,70,230 मौतें थी। जो 2021 में बढ़ कर 7,89,202 हुई। वहीं, 2022 में यानी पिछले साल भारत में कैंसर से मरने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ, संख्या बढ़ कर 8,08,558 पर पहुंच गई। इस साल का आंकड़ा दो महीने बाद आएगा, निश्चित रूप से वो भी डरावना ही होगा। कैंसर को लेकर जागरुकता की कोई कमी नहीं है। केंद्र सरकार से लेकर सभी राज्य सरकारें भी जन जागरुकता में अग्रणी भूमिका निभाती हैं। लेकिन कैंसर है कि रुकने का नाम ही नहीं ले रहा। चिकित्सकों की मानें तो कार्सिनोजेन यानी कैंसरजनक जो कैंसर फैलाने वाला पदार्थ है जो तंबाकू, धुआं, पर्यावरण, वायरस किसी से भी हो सकता है। मौजूदा कैंसर ज्यादातर दूषित वातावरण से ही होने लगा है। चलिए बताते हैं कि भारत में 'नेशनल कैंसर जागरुकता' का आरंभ कब हुआ। सितंबर 2014 में, राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस की शुरुआत पहली बार भारत में तबके केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा हुई। तब उन्होंने एक समिति का गठन किया और निर्णय लिया कि विभिन्न किस्म के कैंसर की गंभीरता, उनके लक्षणों और उपचार के बारे में जागरुकता फैलाई जाएगी और प्रत्येक वर्ष नवंबर की 7 तारीख को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरुकता दिवस' मनाया जाएगा। तभी से इस खास दिवस की शुरुआत हुई। वैसे इस दिवस की प्रासंगिकता अब और बढ़ गई है। क्योंकि प्रदूषण, कैंसर का कारण बन रहा है। वायु प्रदूषण से उत्पन्न कैंसर से पहला बचाव तो यही है, कि धुंध-धुआं वाले स्थानों पर मास्क लगाकर रखें और वहां से हटने के बाद अपने हाथों और मुंह को साबुन से धोएं। भारत में कैंसर रोगियों के आंकड़ों में बीते कुछ वर्षों में तेजी से उछाल आया है। जबकि, एक वक्त ऐसा भी था, जब मात्र कुछ लाख कैंसर रोगी पूरे देश में होते हैं। अब ये आंकड़ा कोई एकाध लाख तक नहीं, बल्कि कई लाखों में जा पहुंचा है। कैंसर के नए मामले बेतहाशा बढ़े हैं। महानगरीय क्षेत्रों में कैंसर रोगियों की संख्या देखकर रौंगटे खड़े होते हैं। जबकि, ग्रामीण क्षेत्रों के हालात अब थोड़े बहुत संतोषजनक हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

साहित्यिक हलचल

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

डॉ सत्यवान सौरभ

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है।

भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है।

किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए।

समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं।

> **साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।**

साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं।

हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी।प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए।

इसने 5,000 के जुर्माने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करना: विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(B) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया।

यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है। भारत में शिक्षा प्रणाली दूसरों के प्रति सहिष्णुता, करुणा और सम्मान को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। लोगों को विविधता, एक बहुलवादी समाज के महत्व और भारत की एकता में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के उद्भव ने हेट स्पीच के निर्माण, पैकेजिंग और प्रसार के लिए कई मंच तैयार किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टीवी बहसों पर हेट स्पीच के संबंध में भी चिंता जताई है। इसलिए इन माध्यमों को विनियमित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. हेट स्पीच लोकतंत्र के दो प्रमुख सिद्धांतों- सभी के लिए समान सम्मान की गारंटी और समग्रता की सार्वजनिक भलाई, को खतरे में डालती है। मीडिया द्वारा एक आचार संहिता को अपनाने, निजी और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा स्व-नियमन और बहुलवाद का सम्मान करने के महत्व और हेट स्पीच से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

2020 में हेट स्पीच के मामलों में कन्विक्शन रेट 20.4% था। जिससे यह पता चलता है कि मामले तो दर्ज़ होते हैं लेकिन सजा नहीं दी जाती, जिससे लोगों के अंदर डर की भावना पनप नहीं पाती और ऐसे ही सामाजिक सद्भाव और समाज के ताने बाने से खिलवाड़ की जाती रहती है।

कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

नमिता गुप्ता मनसी

प्रेम में संवाद..

सुनों बुद्धू राम !!!!
इतने भी चुप मत रहा करो
कि सबको सुनाई देने लगे !!

क्या बोलूं..
कुछ है ही नहीं..
वहीं रोज़ का काम !
तुम ही कुछ बोलो न,
हमेशा की तरह..

हम्मम,,,
ठीक है..मैं ही शुरू करती हूं,
अच्छा बताओ..
तुमने कभी पीला पत्ता देखा है ?
लो ..देखो ,
पता है न
ये अब कभी हरा नहीं होगा ,
ध्यान से पढ़ो इसकी एक-एक लकीर को
मानों इतिहास हो
सभी जाते हुए मौसमों का ,

देखो न..
ठीक जहां से छूटा है ये
वहीं से फूटने लगा है
थोऽऽऽड़ा सा हरापन ,
हमारा प्रेम भी कुछ ऐसा ही है न
बिल्कुल इस पीले पत्ते की तरह ,
है न !!

वह बोला
कुछ देर रुककर..

हम्म्म.
तो अब क्या जरूरत है शाब्दिक औपचारिकता की ,
ये पीला पत्ता ही हमारे प्रेम का संवाद है ,,
हैं न !!
समझी नालायक लड़की !!!!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

गरिमा लखनवी

राम चरित

रामजी ने जन्म लिया,
माता-पिता का मान बढ़ाया धर्म,
मातृभूमि की रक्षा करना,
सबको यह पाठ पढ़ाया,
अपने चरित्र का मान करके,
दुनिया को सही रास्ता दिखाया,
राम जी जैसा पुरुष इस दुनिया में कोई नहीं,
पिता को दिए वचन को उन्होंने पूरा कर दिया,
मर्यादा का हम सबको पाठ पढ़ाया,
पत्नी धर्म का मान बढ़ाया,
राम जी जैसा कोई नहीं,
जो भी उन्हें सेवक मिला,
उसको उन्होंने गले लगाया,
राम नाम का जो जाप करता,
वो दुनिया से तर जाता है ,
एक पुत्र पिता राजा का मान बढ़ाया,
उनके चरणों में कोटि कोटि प्रणाम हमारा।।

लघुकथाः मुलाकात

वीरेंद्र बहादुर सिंह

कालेज में पढ़ने वाली ऋजुता अभी तीन महीने पहले ही फेसबुक से मयंक के परिचय में आई थी। दोनों घंटों चैट करते थे। शुरू-शुरू में दोनों में औपचारिक बातें ही होती थीं।

धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रणय की बातें होने लगी थीं। दोनों एकदूसरे का फोटो भी लेनेदेने लगे थे। मयंक ने एक दिन ऋजुता के सामने विवाह का प्रस्ताव रख दिया। ऋजुता उसकी बातों से काफी प्रभावित थी।

वह उसे अच्छा भी लगने लगा था। इसलिए उसने मयंक से एक बार मिलने की बात कही। मयंक ने भी उसकी बात मान ली।

मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

> **मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।**

मयंक पहले से ही हाथ में बुके लिए खड़ा था। ऋजुता आश्चर्य से उसे देखती रह गई।

वह कुछ सोच पाती, उसके पहले ही 45 साल का वह अधेड़ आदमी हाथ में बुके ले कर भागते हुए उसके पास आ कर बोला, हाय ऋजुता, कैसी हो? मैं मयंक, यह बुके तुम्हारे लिए।

ऋजुता के तो पैरों के तले से जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छा गया।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ0प्र0)
मो-8368681336

सविता राज, मुजफ्फरपुर, बिहार

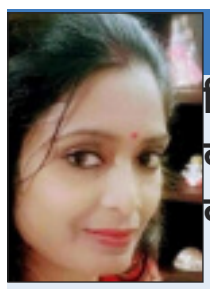

चित्र बुजुर्ग कामवाली की

जर्जर हालात,
दीन हीन कृशकाय,
गिरता स्वास्थ्य ,
मैली कुचैली साड़ी,
दो वक्त के निवाले को मोहताज,
आखों में गमों का समुद्र,
नाउम्मीदी से घिरा जीवन,
बेटे बहु की मोहताज,
चार पांच घरों में काम करके,
घर को अपने सींचती थी,
औरों के घरों की,
साफ सफाई करके,
चंद पैसे जोड़ती थी
आज बुढ़ापे ने
छीन लिया सर्वस्व
सबने काम छुड़ा दिया,
वर्षों तक जहां काम किया,
वहां से मिलता न वृद्धाभत्ता,
न कोई पगार,
दाने दाने को हो गई मोहताज,
ये चित्र है समाज में,
बुजुर्ग हो चली कामवालियों की।
सरकार करे या समाज करे,
कोई तो इन बेबस अबलाओं की,
समस्याओं का निदान करे।

इन चीजों का इस्तेमाल अपनी डाइट से, आज ही करें बाहर, दिखेंगे लाभ

खाना न सिर्फ हमारे शरीर के लिए जरूरी है बल्कि यह हमारे पूर्ण विकास में भी एक अहम भूमिका निभाता है।

अक्सर ऐसा कहा जाता है कि घर की बनी खाने की चीजें बाहर के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और अच्छी रहती है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग घर का बना साफ और स्वस्थ खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आपके किचन में मौजूद कुछ चीजें, जिनका आप खाने में भी इस्तेमाल करते हैं, आपके लिए जहर का काम करती हैं। खाने में उपयोग की जाने वाली ये चीजें आपके लिए किसी स्लो प्वाइजन से कम नहीं हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप इनके बारे में

डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

जानकर इसका कम से कम इस्तेमाल करना शुरू कर दें।

चीनी

चाय-कॉफी और लगभग हर मीठे व्यंजन में इस्तेमाल की जाने वाली चीनी यानी शक्कर आपकी सेहत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेय है।

चीनी के अधिक सेवन से आपको ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वजन बढ़ना और फैटी लीवर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इतना नहीं शक्कर ज्यादा खाने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ जाता है।

मैदा

मैदा हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रहा है। हालांकि, मैदा आटे से ही बनता है, लेकिन मैदा बनाने की प्रक्रिया के दौरान इसमें मौजूद कई सारे फाइबर्स और विटामिन्स अलग हो जाते हैं, जो इसे हानिकारक बना देता है।

डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

नमक

अधिक मात्रा में नमक का सेवन भी सेहत के लिए काफी हानिकारक माना गया है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नमक की अधिकता कई गंभीर समस्याओं की वजह बन सकती है।

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

फ्रोजन फूड

अगर आप भी खाने में फ्रोजन फूड का काफी इस्तेमाल करते हैं, तो अब सर्तक होने का समय आ गया है। दरअसल, फ्रोजन फूड सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। दरअसल, ऐसे खाद्य पदार्थों में कई सारे आर्टिफिशियल कलर्स और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं। इसकी वजह से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावनाएं बनी रहती हैं।

वनस्पति घी

वनस्पति घी हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। इसमें ट्रांस फैट होता है, जिसके लगातार इस्तेमाल से मोटापा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं वनस्पति घी का ज्यादा उपयोग करने से दिल की बीमारियां और ब्रेन स्टोक्स का खतरा भी बढ़ जाता है।

बच्चे की ये आदतें बना सकती हैं उसे बीमार, ठीक होते ही फिर हो सकती है बीमारी

हमारी आदतें ही हमारी बीमारी का कारण हो सकती हैं और बच्चों में तो यह बात और भी ज्यादा सही बैठती है क्योंकि बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है और जब वो अनहेल्दी आदतों में लिप्त रहते हैं तो बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है। यहां हम आपको कुछ रोजमर्रा की ऐसी हेल्दी आदतों के बारे में बता रहे हैं जो बच्चे की इम्यूनिटी को मजबूत करने का काम करेंगी और बीमारी से भी बचा जा सकेगा।

अगर आपका बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है या उसे सर्दी-खांसी जैसी आम बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं या उसकी इम्यूनिटी कमजोर है, तो आपको आदतों पर गौर करना चाहिए।

हाथों की सफाई है जरूरी

यह सुनने में जितना मामूली लगता है, संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए हाथ धोना उतना ही ज्यादा प्रभावी है। हाथ धोना उन कीटाणुओं और विषाणुओं को खत्म करने का एक शानदार तरीका है जो बच्चे खेलते समय, खिलौनों को शेयर करने, वस्तुओं को छूने आदि के दौरान ले सकते हैं। खासकर यदि आपके पड़ोस, स्कूलों या यहां तक कि आपके घर में कोई वायरस फैल रहा है, तो सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा नियमित रूप से अपने हाथ अच्छी तरह धोए।

चेहरे को छूना

कई वायरस हवा के माध्यम से फैलते हैं, जो बीमार व्यक्ति द्वारा खांसने या छींकने पर आते हैं। यह नाक, आंख और मुंह के जरिए दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है। आप बच्चे को बताएं कि चेहरे को छूने से बचना क्यों आवश्यक है।वयस्कों के लिए भी, चेहरे को छूने की आदत नहीं रखनी चाहिए।

पर्याप्त नींद है जरूरी

पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। नींद की कमी अक्सर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी होती है।

अध्ययनों से पता चला है कि जिन लोगों को अच्छी नींद नहीं आती है, उनके बीमार होने की संभावना अधिक होती है और यह बच्चों में भी होता है। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे पर्याप्त नींद ले रहे हैं या नहीं।

ये मसाले बॉडी को रखते हैं अंदर से गर्म, ऐसे करें सेवन

काढ़ा कई तरह के जड़ी-बूटियों से तैयार किया जाने वाला एक तरह का औषधिय पेय होता है। ठंड के मौसम में काढ़े का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखने के साथ ही फ्लू और वायरस से बचाने का काम भी करते हैं। ठंड के दिनों में शरीर को अधिक गर्माहट की जरूरत होती है। स्वेटर, रजाई आपके शरीर को बाहर से गर्म रखने का काम करते हैं। लेकिन निरोग रहने के लिए आंतरिक तापमान का नॉर्मल रहना जरूरी है। यह तब ही मुमकिन हो पाता है जब आप गर्म प्रकृति वाले खान-पान का सेवन करते हैं। यही वजह है कि एक्सपर्ट सर्दियों के दिनों में नॉर्मल चाय की जगह पर काढ़ा पीने की सलाह देते हैं।

विंटर सुपर ड्रिंक से ये बीमारियां रहती हैं दूर

सर्दी-खांसी, कैंसर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सूजन, लीवर डिजीज, ब्रेन डिजीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, मोटापा, फ्लू, डाइजेशन प्रॉब्लम।

अदरक

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, अदरक सर्दी, गले में खराश, बलगम और बॉडी में सूजन से बचाव करने का काम करता है। अदरक में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल जैसे औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जो इसे ठंड के मौसम के लिए बेहतर औषधी बनाते हैं।

दालचीनी

दालचीनी एक गर्म मसाला होता है, इसलिए एक्सपर्ट ठंड में इसके सेवन की सलाह देती हैं। दालचीनी में एंटी-डायबिटीक गुण मौजूद होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नॉर्मल रखने का काम करता है। इसके अलावा दालचीनी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इफ्लेमेंटरी वाले औषधीय गुण भी होते हैं, जो कैंसर,पाचन संबंधी बीमारी, सूजन आदि से बॉडी की रक्षा करते हैं।

मुलेठी

मुलेठी प्राचीन समय से आयुर्वेद में इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी-बूटी है। मुलेठी में एंटीसेप्टिक, एंटी-डायबिटीक से लेकर एंटीऑक्सीडेंट गुण और श्वसन और लीवर संबंधित बीमारियों से लड़ने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा एक्सपर्ट बताती हैं कि मुलेठी अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने, वेट लॉस करने और गले की खराश-खांसी के उपचार में भी मदद करता है।

ऐसे बनाएं काढ़ा

सामाग्री–मुलेठी, अदरक, दालचीनी।

विधि: विंटर के इस सुपर ड्रिंक को बनाने के लिए 3-4 घंटे पहले मुलेठी, अदरक और दालचीनी का एक-एक टुकड़ा पानी में भिगोया छोड़ दें। अब इसे एक बर्तन में 5-10 मिनट के लिए उबाल लिजिए। फिर छानकर इसका सेवन करें।

कैसे करें सेवन: इसे आप शाम की चाय के स्थान पर पी सकते हैं। बस ध्यान रहें कि इसमें चायपत्ती न डालें। इस ड्रिंक का सेवन दिन में दो बार सुबह-शाम कर सकते हैं।

डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

BNM Fantasy

Sunday
03 December 2023

नेहा मलिक के लुक पर फिदा फैंस

नेहा मलिक ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है. उनके फैंस उनकी तस्वीरें देख दीवाने हो रहे हैं. एक्ट्रेस का ऑल ब्लैक अवतार देखकर लोगों की नींदें उड़ गई हैं. कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर लाइक्स और कॉमेंट्स की बाढ़ आ गई है. चलिए आपको भी नेहा की इन तस्वीरों से रूबरू करवाते हैं. नेहा मलिक के लेटेस्ट लुक को देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि चांदनी आसमां से जमीं पर उतर आई है. सोशल मीडिया पर उनकी लेटेस्ट तस्वीरें कहर बरसा रही हैं. वहीं, फैंस भी उनके लुक पर फिदा हो रहे हैं. चलिए दिखाते हैं नेहा की लेटेस्ट पोस्ट जिसे देख आपकी नींद भी उड़ जाएगी.

करण जौहर ने किया फिल्मों के लिए इंस्पायर: अनन्या

अनन्या पांडे हिंदी सिनेमा की काफी टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं. एक स्टारकिड होने के बावजूद वो अपनी फिल्मों की वजह से आज इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा हैं. एक्टिंग के साथ साथ एक्ट्रेस अपने फैशन सेंस को लेकर भी सुर्खियां बटोरती हैं. इन दिनों वो आदित्य रॉय कपूर के साथ अफेयर की खबरों के लिए भी चर्चा में रहती हैं. हाल ही में अनन्या ने अपने एक्टिंग डेब्यू को लेकर खुलासा किया है. हाल ही में जेद्दा में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान अनन्या को इंडिया को रीप्रेजेंट करने के लिए सम्मानित किया गया. इस दौरान उन्होंने डेडलाइन के साथ बातचीत की. उन्होंने अपने एक्टिंग करियर को लेकर भी कई बातें कीं. यही नहीं, उन्होंने बताया कि अगर वो एक्ट्रेस नहीं होतीं तो क्या कर रही होतीं.अनन्या पांडे ने बताया कि करण जौहर वो शख्स थे जिन्होंने उन्हें एक्टिंग करियर शुरू करने के लिए इंस्पायर किया था. इसके आगे एक्ट्रेस ने संजय लीला भंसाली के साथ फिल्म करने की ख्वाहिश के बारे में भी बताया. वहीं, जब अनन्या से पूछा गया कि वो कौन सी फिल्में थीं जिन्होंने उन्हें एक्टिंग शुरू करने के लिए मोटिवेट किया? आपको बता दें कि इस बीच उन्होंने ये भी बताया कि अगर वो एक्ट्रेस नहीं होती तो क्या होतीं. उनका कहना था कि अगर वो एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखती तो बायोलॉजी और अपने फैमिली मेडिकल बैकग्राउंड से इंस्पायर होकर मेडिकल के क्षेत्र में नाम काम करतीं.

रानी चटर्जी ने बताया सिंगल होने का फायदा

बोलीं- खुद से और प्यार हो गया

भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अदाकारा रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया पर तबाही मचा कर रखी है. वो आए दिन अपनी तस्वीरों से लोगों को इंप्रेस करती रहती हैं. कभी ट्रेडिशनल तो कभी ग्लैमरस आउटफिट में एक्ट्रेस अपने फैंस की निगाहें अपनी और खींच लेती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने वर्कआउट सेशन की तस्वीरें शेयर की हैं. जो तेजी से वायरल हो रही हैं. भोजपुरी जगत की जानी मानी अदाकारा रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनके बारे में जितनी बातें की जाए कम हैं. रानी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की हैं जो तेजी से वायरल हो रही हैं. रानी चटर्जी ने यह तस्वीर अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि वो वर्कआउट करती नजर आ रही हैं. वर्कआउट सेशन के दौरान ली गईं इन तस्वीरों में रानी बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इस पोस्ट के जरिए उन्होंने अपना नो मेकअप लुक भी फ्लॉन्ट किया है. वहीं, तस्वीरों के साथ रानी चटर्जी ने कैप्शन भी शेयर किया है. उन्होंने कैप्शन में लिखा है "यह खुद से और ज्यादा प्यार हो गया है. सिंगल होने का फायदा, खुद से प्यार बढ़ जाता है." अब रानी के फैंस इन तस्वीरों पर लगातार अपना प्यार लुटा रहे हैं. कुछ यूजर्स उन्हें ब्यूटी तो किसी ने सेल्फ लव को लेकर कमेंट किया है. रानी ने की ये तस्वीरें एक पार्क से शेयर की हैं, जहां वो अपने योगा मैट पर बैठकर वर्कआउट करती दिख रही हैं. इस दौरान उन्होंने ब्लैक रंग का आउटफिट कैरी किया है. इसके साथ ही रानी ने कैप भी लगाया है और व्हाइट शूज के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया है. बता दें कि रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. फैंस उन्हें काफी सपोर्ट भी करते हैं. हाल ही में उन्होंने छठ पूजा की तस्वीरें शेयर की थीं. इसके पहले उन्होंने करवा चौथ भी मनाया था जिसकी फोटोज वायरल हुई थी.